UNIT -IV

Q1. विशिष्ट आवश्यकताओं वाले बच्चों के लिए शैक्षिक रियायतें व सुविधाओं का वर्णन।

A. विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चे :-

विशिष्ट बालक एक ऐसा बालक होता है जिसके कुछ ऐसे लक्षण होते है जिनके कारण दूसरे व्यक्ति उनकी ओर विशेष रूप से आकर्षित होते है। विशिष्ट बालकों को समायोजन करना भी कठिन होता है। इन्हे प्राय, असाधारण बच्चों के नाम से भी पुकारा जाता है, क्योंकि ये आम बच्चों की श्रेणी मे नही रखे जा सकते। इन बच्चों की देख-रेख करना तथा इनकी शिक्षा का विशिष्ट प्रावधान करना शैक्षिक अवसरों की समानता, सामाजिक न्याय एवं राष्ट्रीय विकास की दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

इतिहास मे विभिन्न विशिष्टताओं वाले व्यक्तियों के उदाहरण :-

(1) प्रसिद्ध लेखक एवं ट्रैवलर हैलन कैलर चक्षुहीन एवं श्रवण विकलांग थी।
(2) महान कवि सूरदास जन्मान्ध थे।
(3) प्रसिद्ध आइनस्टीन का भाषा विकास काफी विलम्ब से हुआ था।
(4) अमेरिकी राष्ट्रपति रूसवेल्ट स्वयं पोलियो के शिकार थे।

Scanned with CamScanner

यह सभी उदाहरण सिद्ध करते है कि विभिन्न निर्योग्यताओं की पूर्ति संभव है तथा कोई भी अक्षम बालक उचित शिक्षा एवं प्रशिक्षण के द्वारा सामान्य बालको की तरह स्वयं के लिए, राष्ट्र एवं समाज के लिए उपयोगी बनाया जा सकता है,

श्रवण बाधित बच्चो के लिए शैक्षिक सुविधाएँ व रियायते:-

श्रवण बाधित बालक उनको कहा जाता है जो पूर्णरूप से या आंशिक रूप से दूसरे की आवाज को सुन नही सकते। प्राय! ऐसे बालको को बहरा कहा जाता है हम सभी का ज्ञान पढ़ने लिखने से इतना नही बढ़ता जितना सुनने से बढ़ता है। श्रवण बाधिता के कारण उनकी ~~सुन~~-सुनने की क्षमता के अनुसार उनका वर्गीकरण करके उनको उचित प्रकार से शिक्षा देनी चाहिए।

श्रवण बाधित बालको की शिक्षा:-

(1) घरेलू पाठ्यक्रम
(2) विशेष विद्यालय
(3) कक्षा व्यवस्था
(4) व्यावसायिक प्रशिक्षण
(5) पढ़ाने के ढंग
(6) पढ़ाने का मौखिक ढंग
(7) चिह्न भाषा
(8) लघु अवधि कोर्स
(9) सहगामी क्रियाएँ
(10) नई विधियो का प्रयोग

Scanned with CamScanner

वाणी बाधित बालकों के लिए शैक्षिक सुविधाएँ व रियायतें।

वाणी दोष बालकों को कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इनकी पहचान को निरीक्षण विधि के द्वारा की जा सकती है। विशेषज्ञ से सलाह लेकर इन दोषों को दूर किया जा सकता है।

वाणी दोष बालकों की शिक्षा:-

(1) उचित जाँचें
(2) उचित अभ्यास
(3) प्रेरणा देना
(4) समान कक्षा
(5) विशेष कक्षाएँ
(6) धैर्य
(7) व्यक्तिगत ध्यान
(8) भय
(9) चिन्ता से मुक्त

अन्धे बालकों के लिए शैक्षिक रियायतें तथा सुविधाएँ। या आंशिक रूप से अन्धे

दृष्टि दोष बालक वह होते है जो नंगी आँखों से नजदीक या दूर की वस्तुओं को स्पष्ट रूप से देख नही पाते। कुछ बालक मोटे अक्षरो में छपी किताबों को पढ सकते है। इन्हे हम आंशिक रूप से दृष्टि दोष बालक कहते है। कुछ बालक जन्म से ही बिल्कुल अन्धे होते है।

अन्धे बालको की शिक्षा :-

१) विशेष विद्यालय
२) विशेष ढंग
३) विशेष समान
४) गणित शिक्षण
५) भाषा शिक्षण
६) व्यावसायिक प्रशिक्षण
७) विज्ञान शिक्षण
८) सामाजिक शिक्षण
९) फर्नीचर
१०) प्रेरणा

शारीरिक रूप से अपंग बच्चो के लिए
शैक्षिक रियायते एवं सुविधाएँ :-

अपंग बालको की श्रेणी मे केवल वही बच्चे आते है जो किसी शारीरिक त्रुटि के शिकार होते है और जिसके कारण वे अपने शरीर के किसी भाग का सामान्य रूप से प्रयोग नही कर सकते।

अपंग बालको की शिक्षा :-

१) समायोजन
२) देखभाल
३) उपचार सुविधा
४) विशेष कक्षा
५) विशेष कक्षाएँ
६) निपुण अध्यापक
७) विशेष विद्यालय

Scanned with CamScanner

(8) विशेष पाठ्यक्रम
(9) व्यावसायिक प्रशिक्षण
(10) समाजीकरण
(11) नौकरी

मन्द बुद्धि बालको के लिए शैक्षिक रियायते
व सुविधाएँ

कुछ बालक मानसिक रूप से असामान्य होते है। ऐसे असामान्य बालक कक्षा मे अध्यापक के शिक्षा कार्य को समझने मे असमर्थ होते है या आसानी से समझ नही पाते! ऐसे बालको को मन्द-बुद्धि बच्चो की श्रेणी मे रखा जाता है।

बुद्धि लब्धि के आधार पर मन्द बुद्धि बालको तीन भागो मे वर्गीकृत किया गया है:-

(1) जड़-बुद्धि :- प्रशिक्षित न किए जाने वाले बालक
(2) मूढ़ बुद्धि :- प्रशिक्षित किये जाने वाले बालको की शिक्षा

मूढ़ बुद्धि बालको की शिक्षा :-
1. प्रेरणा देना
2. सामाजिक प्रशिक्षण
3. आदतो का प्रशिक्षण
4. व्यक्तिगत ध्यान
5. व्यावसायिक शिक्षा
6. भाषा विकास

Scanned with CamScanner

3. मूर्ख बुद्धि :- शिक्षित किये जाने वाले बालको की शिक्षा

मूर्ख बुद्धि की शिक्षा :-

1. विशेष विद्यालय
2. विशेष पाठ्यक्रम
3. दृश्य श्रव्य सामग्री का प्रयोग
4. विशेष शिक्षण विधियाँ
5. योग्य व प्रशिक्षित अध्यापक
6. विशेष समय - सारणी
7. व्यक्तिगत ध्यान
8. व्यावसायिक शिक्षा
9. अभ्यास पर बल
10. मूर्त समस्याएँ
11. माता - पिता की भूमिका

अधिगम असमर्थ बालको के लिए शैक्षिक रियायते व सुविधाएं

अधिगम असमर्थता का संबंध सीखने की समस्याओ से होता है। सुनने, सोचने, बोलने, पढ़ने, लिखने या गणितिय गणना करने संबंधी अपूर्ण योग्यता के कारण होती है।

अधिगम असमर्थी की शिक्षा

1. अलग स्कूल
2. अलग कक्षाएँ
3. प्रशिक्षण प्राप्त अध्यापक
4. पर्यावरण
5. पाठ्यक्रम

Scanned with CamScanner

(6) वर्तनी
(7) गणित
(8) हस्तलेख
(9) अध्यापक की भूमिका

प्रतिभाशाली बालको के लिए शैक्षिक सुविधाएँ व रियायते :-

वह बालक जिसकी मानसिक आयु अपने आयु वर्ग के अनुपात मे औसत से बहुत अधिक हो अथवा ऐसा बालक अपने आयु के बालको से साधारण अथवा विशेष योग्यता मे श्रेष्ठ हो, उसे प्रतिभावान बालक कहा जाता है।

प्रतिभाशाली बालको की शिक्षा :-
(1) अलग कक्षाये
(2) अलग विद्यालय
(3) दोहरी उन्नति
(4) समृद्ध पाठ्यक्रम
(5) दृश्य श्रव्य सामग्री का प्रयोग
(6) पाठ्य सहगामी क्रियाएँ
(7) व्यक्तित्व का विकास
(8) योग्य व प्रशिक्षित अध्यापक
(9) पुस्तकालय
(10) निर्देशन
(11) परामर्श
(12) अध्यापक की भूमिका

Scanned with CamScanner

पिछड़े बालकों के लिए शैक्षिक रियायतें व सुविधाएँ

पिछड़ा बालक वह होता है जो किसी विषय विशेष में पिछड़ जाता है अर्थात उस विषय को पास करने में असमर्थ होता है या एक कक्षा को पास करने में उसे कई-कई साल लग जाते है।

पिछड़े बालकों की शिक्षा:-

(1) अलग कक्षाएँ
(2) नियमित विद्यालय
(3) नियमित कक्षाएँ
(4) उचित पाठ्यक्रम
(5) शिक्षण विधियां
(6) पाठ्य-सहगामी क्रियाएँ
(7) योग्य व प्रशिक्षित अध्यापक
(8) घर का वातावरण
(9) विद्यालय का वातावरण
(10) व्यवसायिक शिक्षा
(11) अध्यापक की भूमिका

Scanned with CamScanner

UNIT - IV

Q.2. समावेशी व्यवस्था मे सहायक व अनुकूल उपकरणो का वर्णन।

* समावेशी शिक्षा :-

समावेशी शिक्षा एक ऐसी शिक्षण प्रक्रिया है जिसका उद्देश्य प्रत्येक बच्चे को शिक्षा के एकसमान अवसर प्रदान करना तथा पूर्ण भागीदारी हेतु उपयुक्त माहौल का निर्माण करना है जिससे उनमे आत्मविश्वास का निर्माण हो सके।

समावेशी शिक्षा व्यवस्था में सहायक तथा अनुकूल उपकरण :-

सहायक सामग्री एवं सहायक उपकरण दिव्यांगजनो की गतिशीलता, संचार और उनकी दैनिक गतिविधियो मे सहायता प्रदान करके उनके जीवन की गुणवत्ता मे सुधार लाने वाले उपकरण है, निःशक्त व्यक्ति की जरूरतो को पूरा करने के लिए सहायक उपकरणो की एक विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध है, इन सहायक उपकरणो के उपयोग से निःशक्त व्यक्ति किसी पर आश्रित नही रहता और समाज मे उसकी भागीदारी बढ़ती है।

उपकरणो का वर्गीकरण :-

(i) सहायक उपकरण
(ii) अवलम्बन उपकरण

(i) सहायक उपकरण :-

उपकरण उन युक्तियो को कहते

है जो किसी कार्य को करने मे सुविधा या सरलता या आसानी प्रदान करते है। सहायक उपकरणो से तात्पर्य ऐसे उपकरणो से होता है, जो असमर्थ अधिगमकर्ता की पाठ्य-सामग्री के संग्रहण मे विशेष योगदान करते है जैसे :-

एक पूर्ण रूप से दृष्टि बाधित अधिगमकर्ता को ब्रेल किताबो, ब्रेल स्लेट तथा गणित सीखने हेतु अबैकस की जरूरत होती है,

कहने का तात्पर्य यह है कि इन सहायक उपकरणो का सीधा संबंध असमर्थ अधिगमकर्ता के शिक्षण अधिगम से होता, जो कि असमर्थ अधिगमकर्ता की पहुंच शिक्षा तक बनाने में अहम योगदान देते है।

(2) अवलम्बन उपकरण :-

अवलम्बन सुविधाओ से तात्पर्य ऐसे उपकरणो से है जो अशक्त अधिगमकर्ता की गत्यात्मक गतिविधियो को सुविधाजनक बनाकर शिक्षा प्राप्ति तक उसकी पहुंच को आसान बनाते है,

जैसे :-

स्कूल के प्रवेश द्वार पर सीढियो की बजाय छोटा रैम्प बनाना, जो स्कूल मे अशक्त बच्चो की गत्यात्मक क्रियाओ को बाधा रहित बनाने मे सहायता प्रदान कर सकते है,

कहने का तात्पर्य ये सुविधाएं अपंगता के फलस्वरूप बच्चे की गतिविधियो मे हुए अभाव की भरपाई मे विशेष रूप से सहायक होते है।

Scanned with CamScanner

सहायक सामग्री एवं सहायक उपकरण के कुछ सामान्य उदाहरण :-

(1) दैनिक जीवन के लिए सहायक उपकरण :-

दैनिक जीवन में इस्तेमाल किये जाने वाले यंत्रों में खाने, स्नान करने, खाना पकाने, ड्रेसिंग, टॉयलेटिंग, घर के रखरखाव आदि गतिविधियों में इस्तेमाल किये जाने वाले स्वयं सहायता यंत्रों को शामिल किया गया है। इन उपकरणों में अनुकूलित किताबें, पेन्सिल होल्डर और व्यक्तिगत स्वच्छता अनुकूलित उपकरण शामिल है।

(2) गतिशीलता उपकरण :-

दिव्यांगजनों को अपने आस-पास के स्थलों पर जाने के लिए सहायक उपकरण। इन उपकरणों में इलेक्ट्रिक या मैनुअल व्हीलचेयर, यात्रा के लिए वाहनों में संशोधन स्कूटर, बैसाखी, बेंत और वाकर शामिल है।

(3) घर, कार्यस्थल के लिए संशोधन :-

भौतिक बाधाओं को कम करने के लिए संरचनात्मक परिवर्तन जैसे - लिफ्ट रैंप, सुलभ बनाने के लिए बाथरूम में संशोधन, स्वत: दरवाजा खोलने के उपकरण और बड़े दरवाजे आदि।

(4) बैठने या खड़े होने की सुविधा के लिए उपकरण :-

अनुकूलित सीटिंग, तकिया स्टैंडिंग लेवल, स्थापन बेल्ट, दिव्यांगजन की अवस्था को नियंत्रित करने के लिए ब्रेसिज और वैज, दैनिक कार्यों

के लिए शरीर को सहायता प्रदान करने वाले उपकरणों की श्रृंखला।

5) वैकल्पिक और आगम संचार उपकरण :-
ये उपकरण गूंगे या ऐसे दिव्यांगों की मदद करता है जिनकी बातचीत करने के लिए आवाज मानक स्तर की नहीं है। इन उपकरणों में आवाज उत्पन्न करने वाले उपकरण और आवाज प्रवर्धन उपकरण शामिल है। श्रवणहीन व्यक्तियों के लिए, आवर्धक के रूप में उपकरण, ब्रेल या आवाज आउटपुट डिवाइस, लार्ज प्रिंट स्क्रीन और आवर्धक दस्तावेजों के लिए क्लोज सर्किट टेलीविजन आदि इस्तेमाल किए जाते है।

6) प्रोस्थेटिक्स और ओर्थोटिक्स :-
कृत्रिम अंग या स्पलिंट्स या ब्रेसिज जैसे आर्थोटिक उपकरणों द्वारा शरीर के अंगों का रिप्लेसमेंट या वृद्धि। इसके अलावा मानसिक अवरोध या काम में सहायता के लिए ऑटियो टेप या पेजर जैसे कृत्रिम उपकरण भी उपलब्ध है।

7) वाहन संशोधन :-
अनुकूली ड्राइविंग उपकरण, हाथ द्वारा नियंत्रण, व्हीलचेयर और लिफ्ट, संशोधित वैन, या निजी परिवहन के लिए प्रयोग किए जाने वाले अन्य मोटर वाहन।

Scanned with CamScanner

(8) ईयरफोन / बधिरों के लिए श्रवण उपकरण :-
श्रवणीय, बॉडी पिट मशीन, कान के मशीन, इण्ड सिस्टम, फ्रेम और श्रवण / संचार आउटपुट उपकरण।

(9) कम्प्यूटर के प्रयोग से संबंधित उपकरण :-
दिव्यांगजनों को कम्प्यूटर का उपयोग करने में सक्षम करने के लिए हेप्टिक, प्रकाश संकेतक, संशोधित या वैकल्पिक कीबोर्ड, दबाव से सक्रिय होने वाला स्विच, ध्वनि या आवाज से चलने वाले उपकरण, टच स्क्रीन, विशेष सॉफ्टवेयर और वाक् टू टेक्स्ट सॉफ्टवेयर। इस श्रेणी में आवाज की पहचान करने वाला सॉफ्टवेयर भी शामिल है।

(10) दिव्यांगजनों को सामाजिक / सांस्कृतिक कार्यक्रमों और खेलों में भाग लेने में सक्षम करने के लिए मनोरंजनात्मक उपकरण :-
दिव्यांगजनों को सामाजिक, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और खेलों में भाग लेने में सक्षम करने के लिए, फिल्मों के ऑडियो विवरण, विडियो गेम के लिए अनुकूली नियंत्रण जैसे उपकरण।

(11) वातावरण पर नियंत्रण :-
दिव्यांगजनों को विभिन्न उपकरणों को नियंत्रित करने में मदद करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियाँ, टेलीफोन के लिए स्विच, टीवी या अन्य उपकरण जिन्हें दबाव, फूँक या सांस द्वारा सक्रिय किया जा रहा है।

Scanned with CamScanner

विभिन्न असमर्थताओ के लिए उपकरण तथा दूसरी तकनीकियां :-

अलग - अलग तरह की असमर्थता वाले अधिगमकर्त्ताओ द्वारा विभिन्न प्रकार के सहायक उपकरणो का प्रयोग अपनी आवश्यकता सुविधा एवम् असमर्थता के प्रकार के अनुरूप किया जाता है। इन सहायक उपकरणो का प्रयोग का वर्गीकृत वर्णन निम्नलिखित प्रकार से किया जा सकता है।:—

दृष्टि बाधित बालको हेतु सहायता उपकरण :—

(1) संकीर्ण - सर्किट टैलीविजन :→

यह उपकरण ऐसे बच्चो के लिए सहायक है जिनकी दृष्टि कम है। यह उपकरण पाठ्यसामग्री को एक बड़े आकार मे टैलीविजन के परदे पर प्रदर्शित करता है।

(2) आवर्धक लेंस :→

आवर्धक लेंस पढ़ने मे सहायता करने के लिए एक उपकरण है। जिसकी सहायता से अक्षरो को बड़ा करके दिखाने की कोशिश की जाती है। यह एक ऐसी युक्ति है जो एक निश्चित दूरी से पढ़ना आसान कर देती है।

(3) वृहदाकार की मुद्रित अधिगम सामग्री :→

बड़े अक्षरो मे मुद्रित किताबे एवम् अन्य अधिगम सामग्री की दृष्टि

बाधित बच्चो के लिए उपयोगी है। इन किताबो में छपी हुई पाठ्य सामग्री का आकार सामान्य आकार से बड़ा होता है जिससे दृष्टिबाधित बच्चो को पढ़ने में कठिनाई ना हो।

(4) ब्रेल स्लेट :→

ब्रेल पद्धति एक तरह की लिपि है, जिसको विश्व भर में नेत्रहीनो को पढ़ने और लिखने में छूकर व्यवहार में लाया जाता है। दृष्टिहीन बच्चो द्वारा इस उपकरण का प्रयोग उसी तरह से किया जाता है जिस प्रकार एक सामान्य बालक पैन तथा पेपर का प्रयोग करता है।

(5) ब्रेल पुस्तके :→

ब्रेल लेखन को पन्ने पर कुछ नुकीले स्टायलस द्वारा पीछे से आगे को उभरे हुए निशान द्वारा डॉट्स को अंकित कर लिखा जा सकता है। यह एक ऐसा उपकरण है जिसके माध्यम से अध्यापक दृष्टिहीन बच्चो हेतु पठन - लेखन की क्रिया को संभव बनाता है।

(6) ब्रेलशीट :→

एक दृष्टि बाधित बालक द्वारा इस उपकरण का प्रयोग उपयुक्त ढंग से उस समय कर सकता है जब उसे ब्रेल स्लेट अथवा ब्रेलर का प्रयोग भली-भांति आ चुका हो।

(7) बोलते हुए कैलकुलेटर :→

इस उपकरण का प्रयोग दृष्टिबाधित बालको के लिए किया जाता है। इसका प्रयोग विशेष रूप से

आंकिक संख्याओ को बोलकर इयरफोनर के माध्यम से दूसरो तक पहुंचाया हो। calculator एक electronic device होता है जिसका प्रयोग हम Mathematical calculations को करने के लिए करते है।

(8) विशिष्ट उपकरण :-

कुछ अन्य विशिष्ट उपकरण भी है जो दृष्टिबाधित बालको के लिए लाभ-प्रद होते है। जैसे टेपरिकार्डर, रेडियो आदि।

2. श्रवण बाधित बालको हेतु सहायक उपकरण :-

(1) श्रवण उपकरण :-

इन उपकरणो का प्रयोग श्रवण बाधित बालको के लिए किया जाता है। इन उपकरणो के माध्यम से दूसरे व्यक्ति द्वारा संप्रेषित सूचना वर्धन अथवा तीव्रता से सुनाई देती है, हेडफोन व ध्वनिवर्धक इसी प्रकार के श्रवण उपकरण है।

(2) फोनिक - कान तथा शून्य - ट्यूब उपकरण :-

इस उपकरण का प्रयोग ध्वनि को सीधे अधिगमकर्ता के कान मे प्रेषित किया जाता है।

(3) टेलीफोन, टाइपराइटर एवम् कम्प्यूटर की संयुक्त आकृति वाला उपकरण :-

श्रवण बाधित बच्चो हेतु नया व आधुनिक उपकरण है। यह उपकरण

श्रवण बाधित बच्चो की शिक्षा मे अत्यधिक उपयोगी एवं सार्थक परिणाम देने वाला है।

(4) अनेक प्रकार की विडियो टेप्स :-
श्रवण बाधित बच्चो के अधिगम मे तरह - तरह की विडियो टेप्स का प्रयोग को सहायक उपकरण के रूप मे किया जाता है।

(5) ओवरहेड प्रोजेक्टर :-
एक ओवरहेड प्रोजेक्टर एक फिल्म या स्लाइड प्रोजेक्टर की तरह, एक स्क्रीन पर एक बढ़े हुए छवि को प्रोजेक्ट करने के लिए प्रकाश का उपयोग करता है।

(6) चिन्ह भाषा :-
ऐसी भाषाएँ है जो अर्थ को व्यक्त करने के लिए दृश्य मैनुअल तौर तरीके का उपयोग करती है जहाँ को बाधिर लोगो के समुदाय मौजूद है वहाँ सांकेतिक भाषाओ को संचार के आसान साधन के रूप मे विकसित किया गया है।

(7) अन्य उपकरण :-
उपर्युक्त उपकरणो के अतिरिक्त को श्रवण बाधित बच्चो की शिक्षण अधिगम प्रक्रिया मे, छोटे - बड़े दर्पण, फ्लैश कार्ड व कई प्रकार की दैनिक खेल सामग्री का सहायक उपकरणो के रूप मे प्रयोग किया जाता है।

Scanned with CamScanner

3. वाणी बाधित बच्चों हेतु सहायक उपकरण :-

(1) प्रशिक्षण :- वाणी बाधित बच्चों को सही स्वयं सार्थक वाणी के प्रयोग हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है.

(2) कमरबन्द स्लिंग का प्रयोग :- वाणी बाधित बच्चों द्वारा बोलते समय श्वसन क्रिया में मदद करने हेतु कमरबन्द स्लिंग का प्रयोग किया जाता है।

(3) चित्र, रेखाचित्र तथा प्रतिमाओं का प्रयोग :- ध्वनि उच्चारण संबंधी प्रक्रिया को स्पष्ट करने हेतु चित्र और रेखाचित्रों आदि का प्रयोग किया जाता है। जैसे छोटी कक्षाओं में बच्चों को पढ़ाते समय साथ-साथ अर्थ समझाने के लिए चित्रों का प्रयोग किया जाता है।

(4) श्रवण कैसेट एवं टेप :- वाणी बाधित बच्चों में नासिका संबंधी अशुद्धियों एवम् अनुवाद संबंधी दोषों के निवारण हेतु श्रवण कैसेटों का सहायक उपकरणों के रूप में प्रयोग किया जाता है।

(5) ~~कृत्रि~~

(5) कृत्रिम भाषा, कृत्रिम वाणी संश्लेषण व कम्प्यूटर का प्रयोग :→

कृत्रिम रूप से मानव की वाणी उत्पन्न करने को वाक् संश्लेषण कहते है, यह कार्य कम्प्यूटर प्रोग्रमो की सहायता से किया जाता है। ताकि वाणी बाधित बच्चो के ध्वनि उच्चारण संबंधी दोषो का निवारण कर, इन बच्चो की शिक्षा को सरल व रोचक बनाया जा सके।

4. आस्थि बाधित बच्चो हेतु सहायक उपकरण :→

(1) लैपबोर्ड :→

एक ऐसा बोर्ड जिसका उपयोग टेबल या डेस्क के रूप में गोद मे रखकर किया जाता है, यह आस्थि बाधित बालको के शिक्षण मे सहायक होता है।

(2) पेज टर्नर :→

पृष्ठ टर्नर की परिभाषा एक बहुत अच्छी पुस्तक है जिसे आप नीचे नही रखना चाहते क्योकी उसमे आप देखना चाहते है कि क्या होगा, यह किसी भी दिलचस्प या मनोरंजक स्थिति का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है एक किताब, कहानी इत्यादि लिखे पढ़ना बंद करना मुश्किल है क्योकि यह बहुत दिलचस्प है,

(3) पेन होल्डर :→

अस्थि बाधित बच्चो की शिक्षण आवश्यक

प्रक्रिया में मोटे पेन होल्डर का प्रयोग विशेष रूप से उपयोगी होता है।

(4) संवर्धित फर्नीचर सामग्री :-
अस्थि बाधित बच्चो के बैठने के उपकरणो को रखने के लिए उनके फर्नीचर जैसे कुर्सी मेज आदि का प्रयोग की बालको की आवश्यतानुसार करना चाहिए।

5. बौद्धिक अशक्तता एवं प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात के बच्चो हेतु सहायक उपकरण :-

(1) चित्रो वाले कार्ड।
(2) दिन, तिथियो एवम् मासो के अंकन वाले विभिन्न कलैण्डर।
(3) टूल किट
(4) शैक्षणिक खेल एवम् खेल संबंधी सामग्री।
(5) शिक्षण की-बोर्ड, टाइप मशीन आदि।

6. समर्थक उपकरण सुविधाएँ

समर्थक उपकरण गत्यात्मक सुविधाओं से संवर्धित ऐसे उपकरण होते है, जो बाधित व्यक्तियो को अपनी दिनचर्या संबंधी एवं अन्य गतिविधियो को बाधा मुक्त करने मे विशेष मदद करते है।

Scanned with CamScanner

इन उपकरणों एवम् सुविधाओं का प्रयोग बालक की बाधिता के अनुसार निम्नलिखित प्रकार से किया जाता है।-

1) दृष्टि बाधित बच्चों के गमन के लिए मददगार छड़ी।
2) अस्थि बाधित बच्चों हेतु बैसाखियाँ, ह्वीलचेयर एवम् पहिया कुर्सी।
3) प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात वाले बच्चे हेतु के-वाकर और कोस्टर वाली कुर्सी आदि।
4) स्कूल भवन में प्रवेश द्वार पर सीढ़ियों की बजाए रैम्प का निर्माण असमर्थ बच्चों के लिए।
5) स्कूल में फर्नीचर का प्रयोग बालकों की आवश्यतानुसार व्यवस्थित।

निष्कर्ष :→

समावेशी शिक्षा के अन्तर्गत विशिष्ट बालकों की शिक्षा में सहायक तथा अनुकूल तकनीकी अहम भूमिका अदा करते हैं ऐसे बालकों को सहायक उपकरणों की विशेष आवश्यकता होती है। इन सहायक उपकरणों की समुचित व्यवस्था के अभाव में अशक्त बच्चों की शिक्षा संबंधी जरूरतों को पूरा कर पाना लगभग असंभव है।

Scanned with CamScanner

उत्तर ①

Question :- शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में सूचना तकनीकी [illegible] है; महत्व का वर्णन कीजिए।

सूचना तकनीकी का मुख्य संबंध 'सूचना' से होता है, अतः सूचना तकनीकी शब्द का अर्थ जानने से पहले 'सूचना' शब्द को जानना एवं समझना अति आवश्यक है।

सूचना का अर्थ :-

सूचना शब्द को विभिन्न तरीकों से प्रयोग किया जाता है। दो शब्दों 'आंकड़े' और 'सूचना' का बहुत प्रयोग किया जाता है। जो कि आपस में सम्बन्धित होते हैं। आंकड़े कोई भी तथ्य अवलोकन, अवधारणा, नाम, समय, तिथि, भार, मूल्य, आयु, पुस्तक अंक, प्रतिशत ग्रेड आदि हो सकते हैं। आंकड़े किसी व्यक्ति की क्रिया व गुण होते हैं, आंकड़ों का संक्षिप्त स्वरूप सूचना है। आंकड़ों और सूचना में संबंध होता है। किसी सूचना प्रणाली में डाली गई सामग्री आंकड़े कहलाती है अतः सूचना वे आंकड़े होते हैं। जिन्हें किसी अवस्था में उत्पन्न किया गया है। तथा जो प्राप्तकर्ता के लिए उपयोगी होती है। और तत्काल भविष्य की क्रियाओं एवं निर्णयों के लिए कीमती होते हैं।

सूचना की विशेषता :-

1) उपलब्धता
2) उपयुक्तता
3) समयबद्धता
4) सम्पूर्णता
5) प्रस्तुतीकरण

सूचना के स्तर :-

1) अन्तर्राष्ट्रीय सूचना
2) राष्ट्रीय सूचना

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

4) डिपार्टमेंटल सूचना
5) व्यक्तिगत सूचना

सूचना तकनीकी का अर्थ :-

सूचना तकनीकी विभिन्न तकनीकों से सूचनाओं, आँकड़ो के प्रस्तुतीकरण तथा सूचना और आंकड़ो के भण्डारण की विधियों का संकलन है, ये सभी कार्य करने के लिए Computer एक ऐसा यंत्र है, जिसका प्रयोग विश्व के हर कोने में हो रहा है। सूचना तकनीकी ने हमारे दैनिक जीवन को Computer के माध्यम से अत्यधिक प्रभावित किया है। सूचना तकनीक के विभिन्न पक्ष होते हैं:- Hardware, Software, आदि।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में ICT का उपयोग :-

वर्तमान युग क्रांति का युग है। हम ज्ञान पर आधारित समाज में रह रहे हैं। और ज्ञान से ही हमें किसी भी राष्ट्र की शक्ति एवं विकास का पता चलता है। उस ज्ञान को सभी लोगों तक पहुँचाने के लिए, हमें नई-2 तकनीकों की आवश्यकता पड़ती है। सूचना संप्रेषण तकनीक उन्ही आधुनिक तकनीकों में से एक है। प्रारंभ से ही मनुष्य सूचनाओं की खोज में रहता है। हम सूचना को तत्काल प्राप्त करना चाहते हैं। सूचनाओं और ज्ञान के स्त्रोतों तक पहुंचने के अनेक रास्ते हैं। मनुष्य के लिए यह लगभग असंभव है। कि हर चीज के बारे में सूचना एकत्रित की जा सके। इसके अतिरिक्त किसी वस्तु के बारे में जो ज्ञान व्यक्ति प्राप्त करता है। वह सदा एक जैसा नहीं रहता, ज्ञान सदा बदलता रहता है

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

APCO

वर्तमान समय में शिक्षा उपयोगितावाद, भौतिकवाद तथा प्रतियोगी वातावरण का सामना करने के लिए प्राप्त की जाती है, इसके परिणामस्वरूप शिक्षा की प्रक्रिया पारम्परिक माध्यमों से ही पूर्ण नहीं हो पाती है। इसके लिए हमें विभिन्न आधुनिक सूचना तकनीकों की आवश्यकता होती है। वर्तमान समय में इसका उपयोग करके विद्यार्थी तथा शिक्षक शीघ्र ही सभी सूचनाएँ प्राप्त कर सकते हैं।

सूचना एवं सम्प्रेषण सीमाएँ :-

1) शिक्षकों में संदेह व डर
2) पर्याप्त रूप से उपलब्ध नहीं
3) तकनीकी उपकरण खरीदने में असमर्थ
4) प्रभावशाली ढंग से प्रयोग का अभाव
5) अज्ञानता / अनभिज्ञता
6) परम्परागत आधिगम प्रक्रिया का प्रभाव
7) प्रशिक्षण का अभाव
8) अभिवृत्ति एवं रुचि का अभाव
9) उचित वातावरण का अभाव
10) विद्यालय प्रशासन द्वारा आवश्यक उत्साह की कमी
11) समुचित सुविधाओं का अभाव
12) राज्य सरकारों का अभाव
13) पाठ्यक्रम परीक्षा पद्धति, मूल्यांकन पद्धति का प्रतिकूल होना
14) शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का अभाव
15) उचित मार्गदर्शन का अभाव

सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी की आवश्यकता एवं महत्व

1) सक्रियता
2) सूचनाओं की प्राप्ति
3) सम्पूर्ण जानकारी उपलब्ध करने में सहायक
4) शिक्षण प्रक्रिया को पूर्ण करने में सहायक
5) अन्तः प्रक्रिया का साधन

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

APCO

6) सम्प्रेषण विचारों की क्रिया का संचालन
7) विचारों, भावनाओं, मतों आदि का आदान-प्रदान
8) एक बात अनगिनत लोगों तक पहुँचाना
9) दूर शिक्षा में सुधार
10) दूरस्थ शिक्षा में सहायक
11) मुक्त शिक्षा का आधार
12) सह आवागमन में सहायक

सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी के लाभ या उपयोगिता

1) व्यक्तियों के क्षमताओं की भिन्नता का उपयोग
2) छात्रों के व्यक्तिगत विकास के लिए उपयोगी
3) शिक्षकों के लिए उपयोगी
4) विद्यार्थियों के लिए उपयोगी
5) शिक्षण अधिगम सामग्री के निर्माण एवं प्रयोग का ज्ञान
6) शिक्षण - प्रशिक्षण में सहायक
7) शैक्षिक प्रशासन में सहायक
8) शिक्षा तकनीकी में विकास
9) शैक्षिक अनुसन्धानकर्ताओं के लिए उपयोगी
10) परामर्श व मार्गदर्शन प्रदान करने वालों के लिए उपयोगी
11) शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के स्वरूप में परिवर्तन
12) कक्षा का वातावरण रुचिकर बनाने में सहायक
13) सीखने के साधनों की विविधता
14) छात्रों के व्यक्तिगत विकास के लिए उपयोगी
15) शिक्षण अधिगम सामग्री के निर्माण में सहायक

निष्कर्ष - इस प्रकार सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी को शिक्षा के क्षेत्र में प्रयोग करने में अत्यंत समस्याओं का सामना करना पड़ता है। परन्तु उनमें से बहुत सी मुश्किलें हमारे नकारात्मक दृष्टिकोण के

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

APCO
Date
Page

कारण है। बच्चे आज दूर करना होगा, हमें अपने लक्ष्य अपने देश के विकास के लिए सूचना एवं संप्रेषण तकनीकी को विद्यालयी कार्यक्रमों के संचालन में सक्रिय एवं सही जोड़ना होगा जिससे शिक्षा का समुचित विकास किया जा सके। उपलब्ध निर्माण किया जा सके क्योंकि शिक्षा विकास वैश्विक दुनिया की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner